भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 4168

सोमवार, 22 मार्च, 2021/1 चैत्र, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

ग्रामीण पर्यटन में पूंजी की कमी

4168. श्री देवजी पटेल:

श्री धर्मवीर सिंह:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए पर्यटन जरूरी है और जबकि इसकी योगदान वर्तमान में मात्र 0.38 प्रतिशत है तथा चीन की ग्रामीण पर्यटन बाजार की तुलना में भारत में ग्रामीण क्षेत्र में होटलों की संख्या मात्र 10 प्रतिशत है तथा यहां का ग्रामीण पर्यटन बाजार का विकास नहीं हुआ है तथा इसे प्रभावी ढंग से बढ़ावा भी नहीं दिया जा रहा है;

(ख) ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अवसंरचना सुविधाएं जैसे परिवहन, विमानपत्तन प्रबंधन और विद्युत में सुधार के लिए सरकार ने कोई योजना बनाई है यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या ग्रामीण पर्यटन में पूंजी की भारी कमी है; और

(घ) क्या सरकार ने पूंजी की कमी के प्रभावी समाधान के लिए कोई प्रभावी योजना बनाई है और यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय ने अंतिम बिंदु तक पहुंच सहित देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए थीम आधारित पर्यटक परिपथों के एकीकृत विकास हेतु स्वदेश दर्शन योजना प्रारंभ की है। देश में ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं को स्वीकार करते हुए मंत्रालय ने ग्रामीण परिपथ को इस योजना के तहत विकास हेतु थीमैटिक परिपथों में से एक के रूप में अभिज्ञात किया है और इसका लक्ष्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार के लिए एक फोर्स मल्टीप्लायर के रूप में पर्यटन का उत्थान करना तथा घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को देश के ग्रामीण जीवन की झलक दिखलाना है।

ग्रामीण पर्यटन परियोजनाओं/प्रस्तावों सहित पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास से संबंधित परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की प्रस्तुति, योजना दिशा निर्देशों के अनुपालन और पहले जारी की गई निधियों की उपयोगिता की शर्त पर उन्हें स्वीकृति प्रदान की जाती है।

उपरोक्त मानदंडों के आधार पर मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिपथों के विकास हेतु निम्नलिखित परियोजनाओं को स्वीकृति दी है जो कार्यान्वयन के अलग-अलग चरणों में हैं :

(करोड रु. में)

क्र. सं.	**राज्य/स्वीकृति का वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1	बिहार 2017-18	गांधी परिपथ: भितिहरवा- चंद्राहिया- तुर्कौलिया का विकास	44.65
2	केरल 2018-19	मालानाड- मालाबार क्रूस पर्यटन का विकास	80.37

स्वदेश दर्शन योजना के उद्देश्यों में स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से रोजगार का सृजन करना और समुदाय आधारित विकास तथा गरीबोन्मुख पर्यटन दृष्टिकोण का संवर्धन करना है।

ग्रामीण पर्यटन के संवर्धन और विकास के लिए कोई विशेष बजट निर्धारित नहीं किया गया है। तथापि अपनी असीम संभावनाओं के मद्देनजर ग्रामीण पर्यटन प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों में से एक के रूप में सामने आया है।

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार, प्राचीन विरासत एवं संस्कृति सहित भारत का संवर्धन एक संपूर्ण पर्यटक गंतव्य के रूप में करता है और ग्रामीण पर्यटन सहित देश के पर्यटन उत्पादों और गंतव्यों के संवर्धन के लिए अतुल्य भारत ब्रांड लाइन के तहत चल रहे अपने कार्यकलापों के एक भाग के रूप में घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन तथा आउटडोर मीडिया अभियान जारी करता है। यह मंत्रालय अपनी वेबसाइट तथा समय-समय पर तैयार की गई प्रचार एवं संवर्धन सामग्री के माध्यम से भी पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का संवर्धन करता है।

*****